भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 19 सितम्बर, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारी से बहुत भारी वर्षा 19 और 20 सितंबर, 2025 को जारी रहने की संभावना है।
(ii) म्यांमार-बांग्लादेश तटों से दूर पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव क्षेत्र 25 सितंबर, 2025 के आसपास उभरने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 19 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी)** के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, कोंकण और गोवा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर **बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी)** दर्ज की गई है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर और अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, छत्तीसगढ़, रायलसीमा, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर **भारी वर्षा (7-11 सेमी)** दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 31°N/74°E, भटिंडा, फतेहाबाद, पिलानी, अजमेर, डीसा, भुज और 23°N/68°E से होकर गुजर रही है। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे म्यांमार तट पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण। इसके लगभग उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 22 सितंबर, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग तक पहुँचने की बहुत संभावना है।
- 25 सितंबर, 2025 के आसपास म्यांमार-बांग्लादेश तटों के पास पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र उभरने की संभावना है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से पूर्वी बांग्लादेश तक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।

- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और एक अन्य निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण मराठवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है।
- उत्तर-दक्षिण द्रोणिका अब निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से मराठवाड़ा तक बनी हुई है।
- उत्तरी अंडमान सागर और समीपवर्ती म्यांमार तट से ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण के ऊपर से एक द्रोणिका निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण महाराष्ट्र तट तक चलती है।
- मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मोटे तौर पर देशांतर 70° पूर्व और अक्षांश 31° उत्तर के उत्तर में चलती है।इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी एवं मध्य भारत:

- 19 और 20 तारीख को पश्चिमी मध्य प्रदेश, 19 को पूर्वी मध्य प्रदेश, 24 और 25 को विदर्भ, 23-25 तारीख के दौरान छत्तीसगढ़, 19 और 20, 23 और 24 सितंबर को बिहार, 23-25 तारीख के दौरान ओडिशा, 20 तारीख को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 19 सितंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 4-5 दिनों के दौरान पूर्वी भारत में गरज के साथ बौछारें पड़ने और तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 19-20 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है; 19-23 सितंबर के दौरान असम और मेघालय में और 20-23 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 19 सितंबर को उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में कुछ/छींटे स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।
- 19 सितंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में तेज़ सतही हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 19 सितंबर को तमिलनाडु, रायलसीमा, तेलंगाना में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 19 और 23-25 सितंबर के दौरान; आंतरिक कर्नाटक में 19 और 20 सितंबर को।
- अगले 5 दिनों के दौरान तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज़ सतही हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है, जबकि 19 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 4-5 दिनों के दौरान पश्चिम भारत में गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 19 से 24 सितंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- 19 से 24 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्से, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास।

बंगाल की खाड़ी:

- 19 सितंबर के दौरान दक्षिण श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास तथा दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और 20 से 24 सितंबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास; 19 से 24 सितंबर के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्से; 22 और 23 सितंबर के दौरान मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से।
- 19 से 24 सितंबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र।
- 19 से 24 सितंबर के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।

ii. 19 सितम्बर से 22 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **मराठवाड़ा**: वाशी (जिला धाराशिव) 22; औंधा नागनाथ (जिला हिंगोली) 8;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: विलुपुरम (जिला विल्लुपुरम) 19; तिरुपथुर पीटीओ (जिला तिरुपत्तूर) 17; तिरुपत्तूर एडब्ल्यूएस (जिला तिरुपत्तूर), वडापुडुपट्टू (जिला तिरुपत्तूर), आरएससीएल-2 केदार (जिला विल्लुपुरम) 16 प्रत्येक; वानीयंबदी (जिला तिरुपत्तूर) 15; तिरुपत्तूर (जिला तिरुपत्तूर) 14; पनरुति (जिला कुड्डालोर), वनमादेवी (जिला कुड्डालोर), जमुनामारथुर (जिला तिरुवन्नामलाई) 13 प्रत्येक; आरएससीएल-2 वलावानूर (जिला विल्लुपुरम) 12; नटरामपल्ली (जिला तिरुपत्तूर), बस्ल मनालूरपेट (जिला कल्लाकुरिची), बस्ल मनमपुंडी (जिला विल्लुपुरम), बस्ल मुगैयुर (जिला विल्लुपुरम), आरएससीएल-2 सोरापट्टू (जिला विल्लुपुरम) 11 प्रत्येक; अंबूर (जिला तिरुपत्तूर), टीसीएस मिल केथंडपट्टी (जिला तिरुपत्तूर), आरएससीएल-2 कोलियानूर (जिला विल्लुपुरम), पानापक्कम (जिला रानीपेट) 10 प्रत्येक; कुंभकोणम (जिला तंजावुर), चेंगम (जिला तिरुवन्नामलाई), अलंगयम (जिला तिरुपत्तूर), विरिंजीपुरम एडब्ल्यूएस (जिला वेल्लोर), थंडरमपेट्टई (जिला तिरुवन्नामलाई), अरकोट (जिला रानीपेट), पोन्नई बांध (जिला वेल्लोर), अम्मुंडी (जिला वेल्लोर), शोलिंगनल्लूर (जिला चेन्नई), एसआरसी कुडियांगी (जिला कुड्डालोर), केसीएस मिल-1 मूंगिलथुरा (जिला कल्लाकुरिची), डीएससीएल थिरुपलापंडल (जिला कल्लाकुरिची), तालुक कार्यालय पंडालूर (जिला नीलगिरी), कलासापक्कम (जिला तिरुवन्नामलाई), आरएससीएल-3 वलाथी (जिला विल्लुपुरम) 9 प्रत्येक; पेनुकोंडापुरम (जिला कृष्णागिरी), थिरुविदाईमरुथुर (जिला तंजावुर), पोलूर (जिला तिरुवन्नमलाई), गुडियाथम (जिला वेल्लोर), मेलाथुर (जिला वेल्लोर), डीएससीएल मदमपुंडी (जिला कल्लाकुरिची), केलावरपल्ली बांध (जिला कृष्णागिरी) 8 प्रत्येक; कांचीपुरम (जिला कांचीपुरम), कृष्णागिरी (जिला कृष्णागिरी), मयिलादुथुराई (जिला मयिलादुथुराई), तरंगमबाड़ी (जिला मयिलादुथुराई), तिरुवलंगडु (जिला तिरुवल्लुर), वलंगइमन (जिला तिरुवरूर), वालाजाह (जिला रानीपेट), कलावई एडब्ल्यूएस (जिला रानीपेट), नेदुंगल (जिला कृष्णागिरी), कलावई पीडब्ल्यूडी (जिला रानीपेट), लोअर अनाइकट (जिला) तंजावुर), आरएससीएल-3 अवलूरपेट्टई (जिला विल्लुपुरम), सुथामल्ली बांध (जिला अरियालुर), संधियुर केवीके एडब्ल्यूएस (जिला सलेम) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी) 17; चेल (जिला जलपाईगुड़ी), सरस्वतीपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 15 प्रत्येक; चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), घीश (जिला जलपाईगुड़ी), वाशबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), जयबीरपारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 14-14; गजोल्डोबा (जिला जलपाईगुड़ी), भगतपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), डेंगुआझार टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), लीश रिवर टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), मयनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी) 13-13; सेवोके (जिला दार्जिलिंग), जलपाईगुड़ी (जिला जलपाईगुड़ी), कुमलाई टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), नोवेरनुड्डी टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), दलगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 12-12; दमडिम टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गुड होप टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गुरजोंगझोरा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), ट्रा नागराकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 11 प्रत्येक; एनएच31 ब्रिज (जिला जलपाईगुड़ी), ज़ुर्रांती टी.ई (जिला जलपाईगुड़ी), नागरकाटा (जिला जलपाईगुड़ी) 10 प्रत्येक; नेओरा (जिला जलपाईगुड़ी), सूर्यसेन महाविद्यालय (जिला दार्जिलिंग), डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), ऊदलाबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), पलाशबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गोपालपुर टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार)

9 प्रत्येक; अलीपुरद्वार पीटीओ (जिला अलीपुरद्वार), बनारहाट हाई स्कूल (जिला जलपाईगुड़ी), गैरकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गंद्रपारा टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), माझेरदाबरी चाय बागान (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक; दोमोहनी (जिला जलपाईगुड़ी), बरोभिशा (जिला अलीपुरद्वार), मेखलीगंज (जिला कूच बिहार), इंदोंग टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), कैलाशपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7 प्रत्येक;

- **हिमाचल प्रदेश**: नैना देवी (जिला बिलासपुर) 16;
- **बिहार**: तैयबपुर (जिला किशनगंज) 15; ठाकुरगंज (जिला किशनगंज), पोठिया (जिला किशनगंज) 10 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा**: सावरदे-अर्ग (जिला रत्नागिरी) 15; चिपलून (जिला रत्नागिरी) 9;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: पोर्ट ब्लेयर (जिला दक्षिण अंडमान) 12; लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 7;
- **पूर्वी राजस्थान**: मावली (जिला उदयपुर) 12; भोपालसागर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 11; प्रतापगढ़ (जिला प्रतापगढ़) 8;
- **असम और मेघालय**: धुबरी सीडब्ल्यूसी (जिला धुबरी) 10; विलियमनगर एडब्ल्यूएस (जिला ईस्ट गारो हिल्स), धुबरी आईएमडी (जिला धुबरी) 7 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र**: पुणे (जिला पुणे) 10;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: तालिकोटे (जिला विजयपुरा) 10;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: बलरामपुर (जिला बलरामपुर) 10;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: नगीना (जिला बिजनोर) 10;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: निवाड़ी (जिला निवाड़ी) 9;
- **छत्तीसगढ़**: सोनहत (जिला कोरिया) 9;
- **रायलसीमा**: वेंकटगिरी कोटा (जिला चित्तूर) 9;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: निवाली (जिला बड़वानी) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: बेंगलुरु शहर (जिला बेंगलुरु शहरी) 7;
- **अरुणाचल प्रदेश**: बोमडिला एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम कामेंग) 7.

अनुलग्नक II

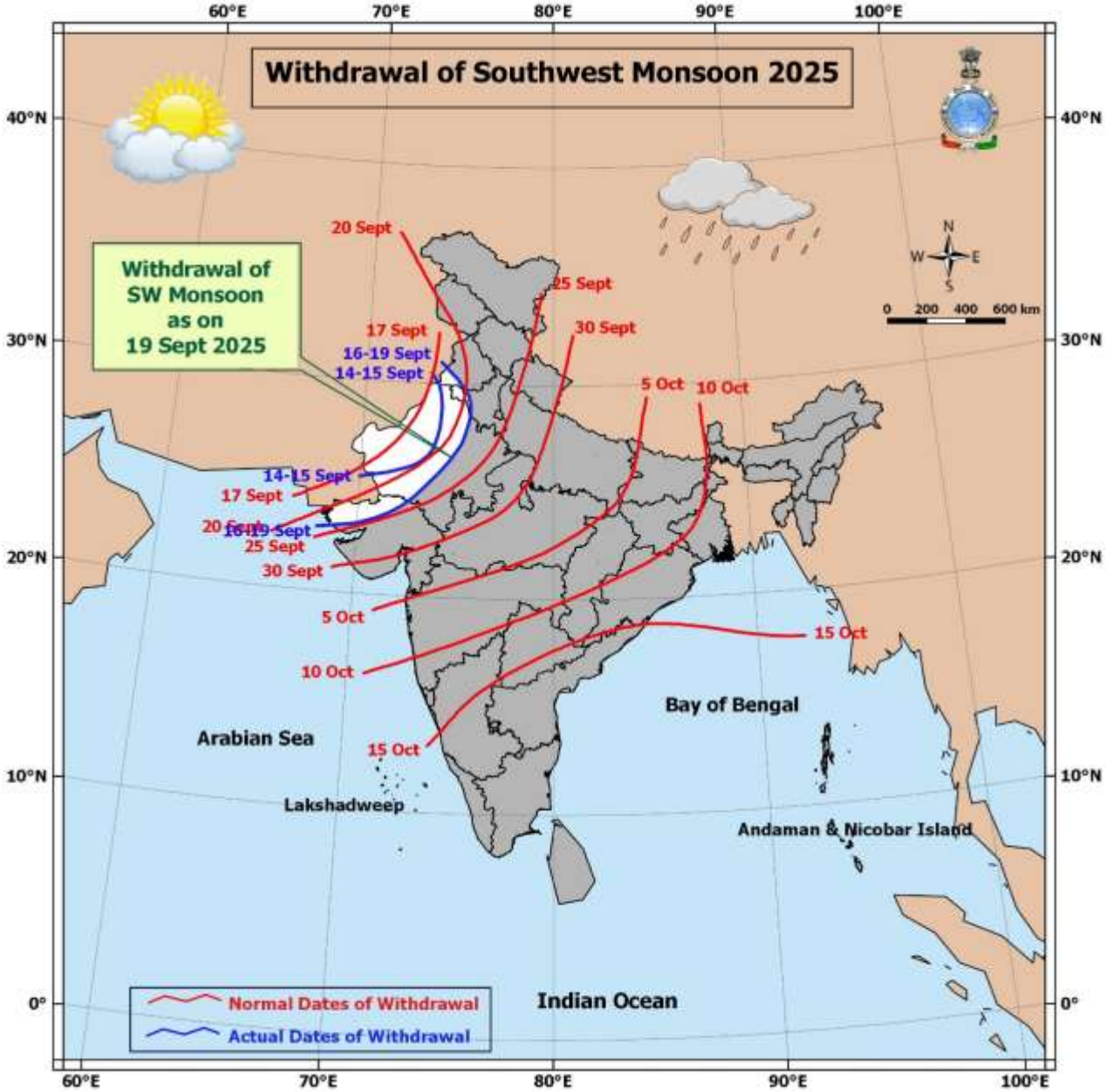
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 19 Sept 2025
20 Sept
25 Sept
30 Sept
17 Sept
16-19 Sept
14-15 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	19- Sep	20- Sep	21- Sep	22- Sep	23- Sep	24- Sep	25- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

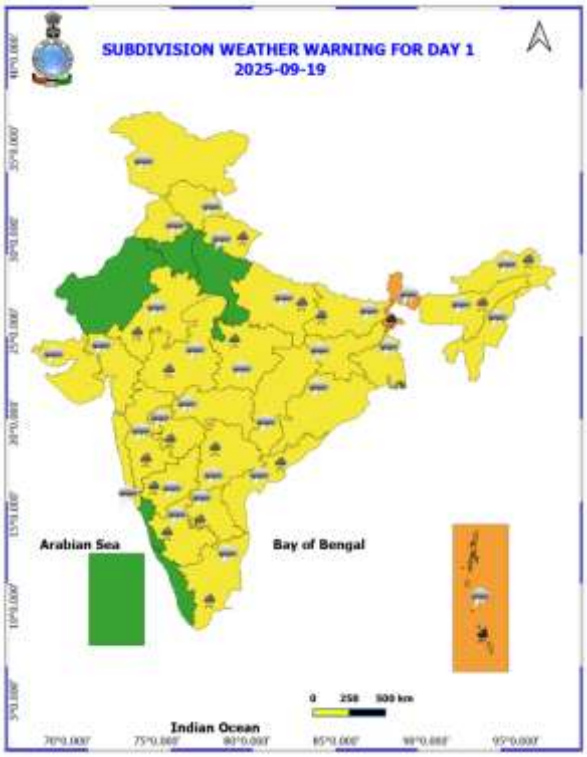
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

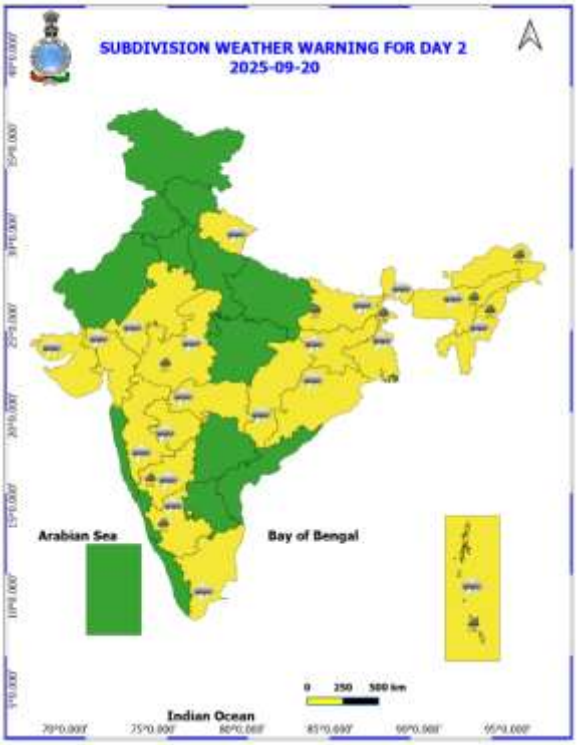
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

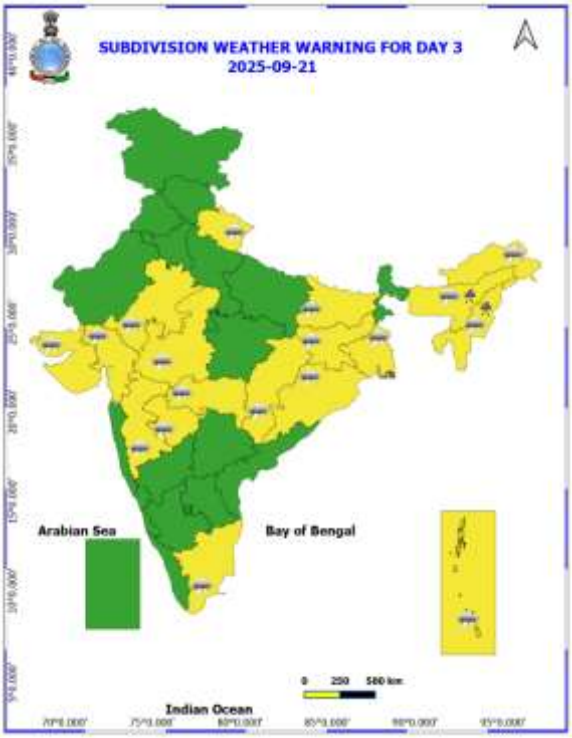
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

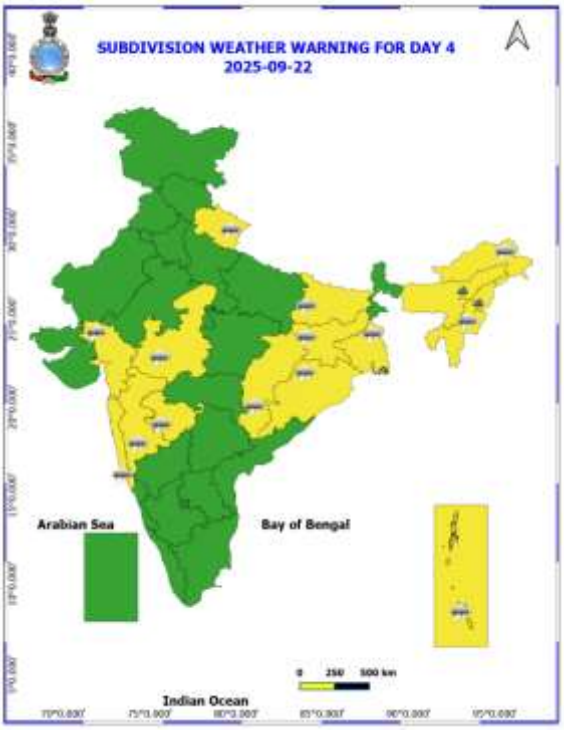

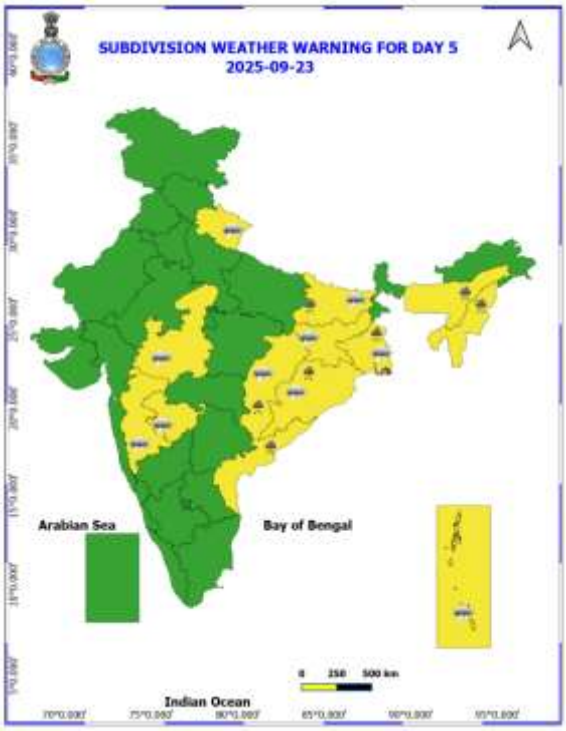

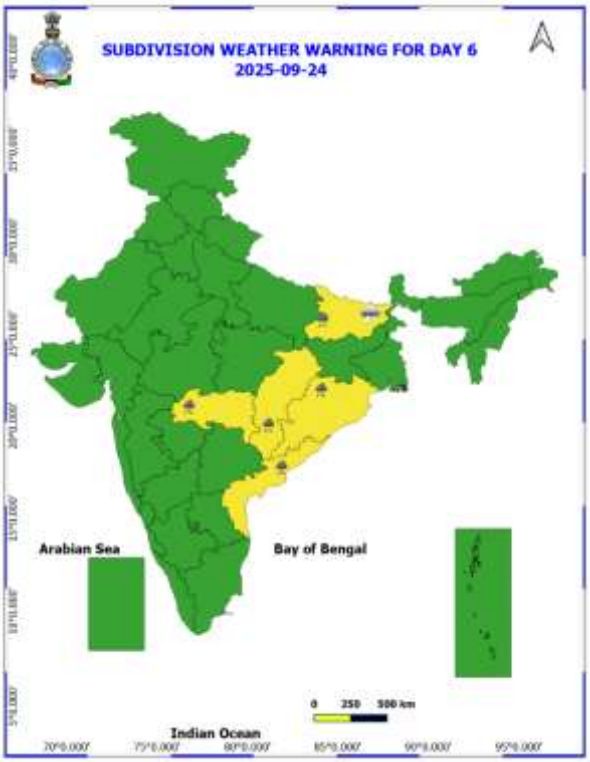

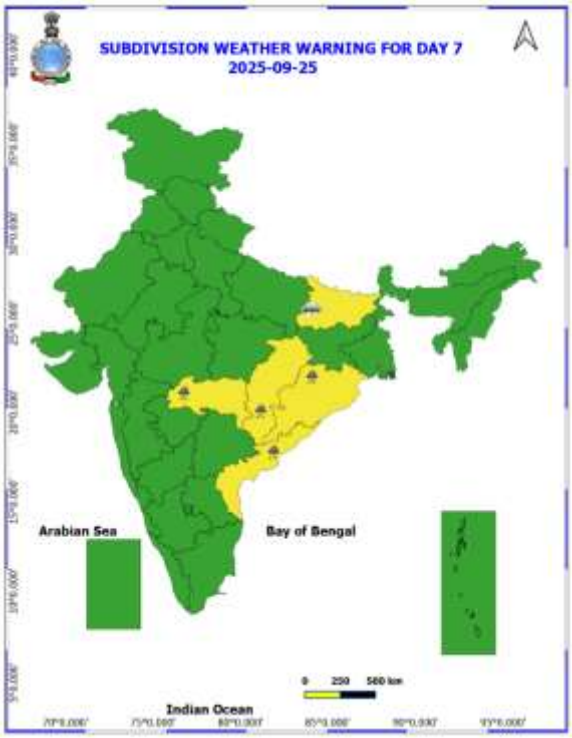

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

19 से 22 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 1-2°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 34°C और 23 से 25°C के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व/पूर्व दिशा से 14 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाओं के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे। दिल्ली में कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें दर्ज की गईं। आज दोपहर में इस क्षेत्र में पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे से कम की गति वाली हवाओं के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे।

मौसम पूर्वानुमान:

19.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

20.09.2025: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 08-12 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

21.09.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

22.09.2025: आसमान मुख्यतः साफ़ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 19 सितंबर को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी से **बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी)** होगी।
- **अपेक्षित प्रभाव**
  - स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
  - भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
  - सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
  - कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
  - कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
  - स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
  - जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से तथा पहाड़ी क्षेत्र में, अरहर और सब्जी फसलों से अतिरिक्त जल निकासी करें। नैनीताल जिले में, धान, मक्का, रागी, अरहर, सोयाबीन, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप आर्द्र क्षेत्र उच्च में सब्जियों के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें| काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें और पहाड़ी क्षेत्र में मूंग, उड़द, रागी, डैली खोरसानी, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें।
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में चावल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, चावल, सोयाबीन, मक्का, कपास, गन्ना और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।
- महाराष्ट्र में, कोंकण में, धान, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। धान, मक्का, मिर्च और केले की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- असम में, बराक घाटी क्षेत्र में चावल और पहले से बोई गई उड़द की फसल से; तथा उत्तरी तटीय मैदानी क्षेत्र में, धान, तिल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें। ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें तथा खड़ी फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- मेघालय में, धान, सब्जी की नर्सरी और अदरक से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल निकासी बनाएं रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों से और पहाड़ी क्षेत्र में मूंग, उड़द, रागी, डैली खोरसानी, सब्जियों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी करें |
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में चावल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से तथा पहाड़ी क्षेत्र में, अरहर और सब्जी फसलों से अतिरिक्त जल निकासी करें। नैनीताल जिले में, धान, मक्का, रागी, अरहर, सोयाबीन, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप आर्द्र क्षेत्र उच्च में सब्जियों के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें|
- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। धान, मक्का, मिर्च और केले की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- असम में, बराक घाटी क्षेत्र में चावल और पहले से बोई गई उड़द की फसल से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें।
- मेघालय में, धान, सब्जी की नर्सरी और अदरक से अतिरिक्त पानी निकासी व्यवस्था बनाएं रखें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- तमिलनाडु में, उत्तर पूर्वी क्षेत्र में चावल, मूंगफली के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।

- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

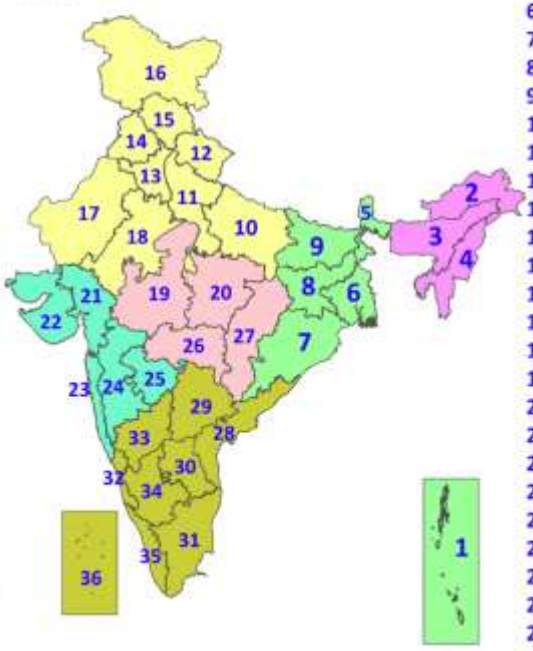

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)